बर्षः- 06
अंकः- 96
मुरादाबाद
(Sunday)
26 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, वजह भी बताई; कहा- मन दुखी है

नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जून महीने में पेपर लीक होने के बाद से देश भर के छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा था, इसी बीच देश की राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर छात्रों के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता और विपक्षी दलों की तरफ से प्रदर्शन भी किया गया। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के तीसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर साझा किया पत्र

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। %देश के युवाओं की अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं%

उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, तीन मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तारीख की घोषणा की। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए %पूरी सरकार का समन्वित दृष्टिकोण% के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, खासकर जिला प्रशासन की अहम भूमिका रही। उन्होंने आगे कहा, साथ ही छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई। धर्मेंद्र प्रधान बोले- छात्रों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे- पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे लिखा, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे, जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थियों ने मायावती आवास का घेरा, हिरासत में लेकर इको गार्डन भेजा गया

शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने राजधानी में बसपा प्रमुख के आवास का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया और आरक्षण संबंधी विसंगतियों का आरोप लगाते हुए मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।69 हजार शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग को लेकर शनिवार को लगातार दूसरे दिन अभ्यर्थियों ने राजधानी में प्रदर्शन किया। इस बार प्रदर्शनकारी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती के आवास पहुंचे और घेराव कर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच नोकझोंक व धक्का-मुक्की हुई। बाद में पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।प्रदर्शन के दौरान एक महिला अभ्यर्थी सड़क पर बैठ गई और मायावती से मुलाकात कराने की मांग पर अड़ गई। पुलिस ने उसे हटाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर डटी रही। करीब 15 मिनट तक चले विरोध के बाद पुलिस ने सभी अभ्यर्थियों को बसों में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया।प्रदर्शन में शामिल करीब 35 से 40 अभ्यर्थी प्रदेश के विभिन्न जिलों से लखनऊ पहुंचे थे। अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार ने 8,270 सीटों का हलफनामा दाखिल किया, जिसमें 4,946 ऐसे अभ्यर्थियों के नाम शामिल हैं जो पहले ही तीन बार भर्ती प्रक्रिया से बाहर हो चुके हैं।

हम कॉकरोच, जल्दी न जाएंगेः प्रधान के इस्तीफे के बाद अभिजीत दीपके बोले- हमने कर दिखाया

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अभिजीत दीपके ने मंच से युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने इसे लोकतंत्र की जीत बताया और छात्र एकता जिंदाबाद का नारा लगाया। दीपके ने कहा कि उन्होंने यह कर दिखाया है।जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की मांग को केंद्र सरकार ने मान लिया है। धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया है। जिसके बाद अभिजीत दीपके ने मंच से युवाओं को संबोधित किया। सबसे पहले उन्होंने कहा कि छात्र एकता जिंदाबाद, हम जीत गए। ये कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन हमने कहा कि झुकती

है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। जंतर मंतर पर जीत का जश्न- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने छात्र एकता जिंदाबाद का नारा लगाया और इसे लोकतंत्र की जीत बताया। दीपके ने कहा कि उन्होंने यह कर दिखाया है, जबकि लोग कहते थे कि सरकार के इस्तीफे नहीं होते। उन्होंने खुद को कॉकरोच बताते हुए कहा कि वे जल्दी नहीं जाएंगे। दीपके ने दो नई मांगें भी रखीं।अभिजीत दीपके की पहली मांग है कि प्रदर्शनों के दौरान शामिल पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी मामले वापस लिए जाने चाहिए। उनकी दूसरी महत्वपूर्ण मांग यह है कि आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को मुआवजा मिले। दीपके ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर बोले सोनम वांगचुकः यह लोकतंत्र की जीत है, सीजेपी और देश की जेन जी को बधाई

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जाने-माने शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने भी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि, सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर 20 दिन तक अनशन किया था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सोनाम वांगचुक ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, सीधा लोकतंत्र... जो सड़कों से निकला है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और देश की %जेन जी%को बधाई; और उन सभी नागरिकों का धन्यवाद जिन्होंने डर और

डर के डर को त्यागकर देश के हर कोने से आवाज उठाई। जवाबदेही से अब सुधार की ओर।नीट परीक्षा में सुधारों और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को तब और बड़ी ताकत मिली, जब जाने-माने शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक भी छात्रों के समर्थन में आ गए। उन्होंने छात्रों की मांगों के समर्थन में जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। 20 दिनों के लंबे अनशन के बाद जब उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ने लगा, तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य ने पूरे देश का ध्यान इस मुद्दे की तरफ खींचा। उनके अस्पताल में भर्ती होने के तुरंत बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दिपके भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए, जिसने आंदोलन की आग को और भड़का दिया।

योगी बोले- NEET के दोषियों की संपत्तियां भी होंगी जब्त, संसद में पेपर लीक पर आएगा बिल

उत्तर प्रदेश में निवेश मित्र 3.0 लॉन्च, उद्योग मंजूरी अब रीयल-टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग के साथ

उत्तर प्रदेश सरकार ने उद्योगों की मंजूरी प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और डिजिटल बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब निवेश प्रस्ताव से उत्पादन शुरू होने तक हर चरण की रीयल-टाइम निगरानी होगी। इससे विभागीय देरी, लंबित आवेदन, अनावश्यक आपत्तियों की पहचान आसान होगी और जवाबदेही के साथ उद्योगों को समय पर मंजूरी मिलेगी।त्तर प्रदेश सरकार कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए उद्योगों की मंजूरी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बना रही है। डीरेगुलेशन-2.0 के तहत सिंगल विंडो सिस्टम में प्रस्तावित सुधारों के अंतर्गत निवेश मित्र 3.0 में आवेदन से लेकर उद्योग में व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने तक की पूरी प्रक्रिया का रीयल टाइम मॉनिटरिंग तंत्र लागू कर दिया गया है। इसके माध्यम से निवेशकों की फाइल की पूरी यात्रा ऑनलाइन दर्ज होगी, जिससे लंबित मामलों, अनावश्यक आपत्तियों और विभागीय देरी की तत्काल पहचान संभव होगी। डीरेगुलेशन-2.0 के तहत केंद्र सरकार ने राज्यों को सिंगल विंडो सिस्टम में एंड-टू-एंड टर्नअराउंड टाइम (टीएटी) की निगरानी, लंबित आवेदनों का विश्लेषण और अनावश्यक विलंब दूर करने की व्यवस्था

लागू करने की सिफारिश की थी। उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में पहल करते हुए निवेश मित्र 3.0 में यह सुविधा शुरू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत निवेशक की यात्रा इंटेंट फाइलिंग यानी निवेश प्रस्ताव दर्ज करने से शुरू होकर व्यावसायिक उत्पादन तक डिजिटल रूप से दर्ज होगी। प्रत्येक विभाग में आवेदन कितने समय तक लंबित रहा, किस स्तर पर आपत्ति लगी, कितनी बार अतिरिक्त जानकारी मांगी गई और स्वीकृति में कहां देरी हुई, इसका पूरा विवरण स्मार्ट डैशबोर्ड पर उपलब्ध रहेगा।मदारीपुर कला में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले जो जिला आकांक्षी था, वह अब विकास की राह पर आगे बढ़ चुका है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि नीट परीक्षा जैसी गड़बड़ियों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी। साथ ही, सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।फतेहपुर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मदारीपुर कला स्थित मैदान में विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव का राजनीतिक संदेश देते हुए विकास को भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जिलों में गिना जाता था। रोजगार, स्वास्थ्य और विकास के पैमानों पर जिला पिछड़ा हुआ था, लेकिन पिछले नौ वर्षों में तस्वीर बदली है और अब फतेहपुर आकांक्षी जिला नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले युवाओं की नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी, जबकि आज पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं।विकास कुछ क्षेत्रों तक सीमित था उन्होंने मेडिकल कॉलेज, पुल, सड़क, बिजली, निवेश, अस्पताल और कंपोजिट विद्यालय जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने विकास को गांव-गांव तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विकास कुछ क्षेत्रों तक सीमित था और किसानों, युवाओं व आम जनता की उपेक्षा की जाती थी। दोषियों की संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी- उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा के शासन में युवाओं का शोषण हुआ और नकल माफिया को संरक्षण मिला। कहा कि छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नीट परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपियों पर कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दोषियों की संपत्तियां भी जब्त की जाएंगी। वहीं, पेपर लीक पर संसद में बिल भी आएगा।सिर्फ जेल या जहन्नुम का रास्ता बचा- कानून-व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि माफिया और अपराधियों के लिए उत्तर प्रदेश में अब कोई जगह नहीं है। ऐसे लोगों के लिए सिर्फ जेल या जहन्नुम का रास्ता बचा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में माफिया पर प्रभावी लगाम लगी है। सम्मान दिलाया मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने देश के युवाओं को नई पहचान और सम्मान दिलाया है। उन्होंने कहा कि यदि फतेहपुर सदर विधानसभा की जनता भाजपा को और मजबूत जनादेश देगी तो जिले का विकास कई गुना गति से आगे बढ़ेगा।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफाः खरगे बोले-अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंची छात्रों की आवाज

सीजेपी और विपक्ष के भारी दबाव के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए 25 जुलाई 2026 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इससे एक दिन पहले सरकार ने एनटीए के 47 अधिकारियों को बर्खास्त किया था। अब विपक्षी नेताओं ने इसे छात्रों की जीत बताया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 25 जुलाई 2026 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करके इस बात की जानकारी दी। विपक्ष ने इसे छात्रों की जीत बताया है और पीएम मोदी की जिद की हार। केंद्रीय मंत्री प्रधान के इस्तीफे पर किसने क्या-क्या कहा? आइये जानते हैं। मोदी की जिद की हार- मल्लिकार्जुन खरगे- कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के छात्रों की आवाज आखिरकार उस अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक

पहुंच ही गई है। शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए देश भर की सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाई। यह सच की जीत है और मोदी की जिद की हार है। यह उन सभी परिवारों की जीत है जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया, क्योंकि यह सरकार भ्रष्ट है। यह एकजुट विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हित में संसद से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज उठाई। खरने ने यह भी कहा कि अब मोदी की बारी है कि वे हमारी युवा पीढ़ी से माफी मांगें और उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जिन्होंने उन पर लाठियां और पैलेट गन चलाईं।आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर कर लिखा, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई। लोकतंत्र के लिए बड़ी जीत। यह छात्रों की जीत है, यह लद्दाख-5 की जीत है। आपलोगों का संघर्ष रंग लाया। नीट-यूजी परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर छात्र लगातार सड़कों पर थे। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 36 दिनों से छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन चल रहा था। विपक्षी दलों और कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में छात्र लगातार शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। सरकार से बातचीत के दौरान सीजेपी ने साफ कर दिया था कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बिना आंदोलन खत्म नहीं होगा। छात्रों के इसी भारी दबाव के बीच शिक्षा मंत्री ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का फैसला किया।

संपादकीय Editorial

A Changing Identity of Himachal

While Himachal is gaining strength through its geographical location, natural resources, development model, economic potential, and rural economy, it is also pursuing new opportunities and seeking investment markets. Clearly, a framework was developed at the Chandigarh meeting for this purpose. At the Indus Entrepreneurs (TII) Leadership Conclave, the Chief Minister appealed to the investor community, raising hopes that the upcoming industrial policy will prove effective in promoting investment. Meanwhile, the government's initial plan, recognizing "One District, Three Products" within the state, is working on a list of 36 products. Each district is excelling in at least three products across agriculture, horticulture, rural areas, arts, handicrafts, and traditional products. The goals of the Agri-Horticulture University and related departments are also being realized, while a market is being developed through Himachal's tourism sector. However, this list is not exhaustive, and many more products could be added. Clearly, the world has been purchasing Himachali products from centers like the Agricultural Produce Marketing Board, Handloom Corporation-Him Weavers' Outlet, Him Era, My Pahadi Dukaan, and She Hot. What is needed is a single brand and a one-stop shop for all Himachali products. The offerings from the state's temples are a shining example of the purchasing power of their own products. Considering the potential of temple products, the economy of religious sites depends on them.

If the potential of markets related to Kangra-Chamba incense, Jwalaji's Peda, Deotsidh's Rot, and the worship system is understood, religious sites can develop into industrial and cultural products. For example, if Deotsidh's Rot were made the official offering for all temples, several truckloads of supplies would be needed daily. Similarly, initiatives to centrally produce and market incense, flags, flowers, Peda, brass items, and other offerings would increase the income of temples. If a master plan is developed to develop pilgrimage and religious towns within a radius of ten to twelve kilometers around at least a dozen major temples in the state, investment will increase and the economy will flourish. Before investing in Himachal, development plans must be developed under the TCP. For example, by developing certain investment sites on the four-lane road map, we can delineate tourism corridors based on the tourism growth rate. For entertainment purposes, amusement parks, science cities, hot markets, highway tourism facilities, and tourist villages can be developed throughout the state.

Investment must be encouraged in Himachal to develop ropeways, funicular projects, malls, hospitals, modern markets, and bus stands. The recent municipal election vision document included several resolutions that require private investment for urban development. For example, an investor could be a partner in an ambitious project like the funicular ropeway from Charan to Bhagsu under the Dharamshala Municipal Corporation. Himachal currently has many small and large local investors and businessmen. If they are taken forward and given new investment opportunities, then investment will reach every city and every village.

230 Sanskrit verses cover a two-thousand-year tradition of betel leaf, and what to say about its glory!

The pale pages of history contain countless tales of betel leaf. From Tulsidas to Amir Khusro, it has been included in their works. The Sanskrit text Tambul Manjari is like an encyclopedia of betel leaf.

The 230 verses of this text encompass a two-thousand-year tradition of betel leaf. In the 16th century, Syed Usman, in his work Chitravati, described betel leaf as a gift from Bengal. The French traveler Bernier writes that betel leaf was prepared with lime and several aromatic herbs. A betel leaf is undeniably unsuitable for a simple meal, but when one has to take up the challenge, a saga of bravery and valor is written.

The pale pages of history contain countless tales of betel leaf.

Betel leaf is both common and special. The first mention of paan dates back to the fourth century BC.

The word paan comes from the Sanskrit word 'parna', meaning leaf. The magnificence of paan is beyond words. One Mughal princess was even given millions of rupees worth of income from the prosperous port of Surat as paan expenses. Tulsidas mentions paan in the Ramcharitmanas, when King Janak welcomes King Dasharatha with a paan leaf. Malik Mohammad Jayasi extols the glory of paan in Padmavat. When King Ratan Sen arrived to meet Padmini, he was greeted with paan. The Sanskrit text Tambul Manjari is like an encyclopedia of paan. Its 230 verses encompass the two thousand year tradition of paan. Ibn Battuta, a Moroccan traveler who lived in India from 1334 to 1341 AD, wrote that paan is grown like grapes. Battuta writes that in the court of Delhi Sultan Muhammad bin Tughlaq, paan was served to everyone after dinner. The great 14th-century folk poet Amir Khusro wrote in one of his couplets, "When it comes to the mouth, it showers nectar, quenches all the heat of the body and mind, it puts a mine of nectar on the lips, why, friend, beloved? No, friend, paan." Historian Abul Fazal writes that paan was specially grown in Agra for Emperor Akbar. In Ain-i-Akbari, he writes, "Sometimes hunger is satiated by eating paan, and sometimes hunger is aroused by eating paan." In the 16th century, Syed Usman, in his work Chitravati, praised paan as a boon for Bengal.

The French traveler Bernier writes that paan was prepared with lime and several aromatic herbs. The account of the Italian traveler Nicolo Manucci, who arrived in Surat port from Venice in 1656, is quite interesting. Upon disembarking the ship, seeing everyone spitting red saliva from their mouths, they thought it was blood and that an epidemic had struck. However, their misconception was later dispelled. Among Rajputs, the betel leaf was a symbol of bravery and valor. Taking up the challenge of betel leaf meant accepting even an impossible challenge. That is, betel leaf is one thing and moods are a thousand.

Student Protests: Governments should find solutions through sensitivity, dialogue, and positive thinking

This incident is not merely a satire, but a reflection of how deeply hurt the nation's youth are by the indifference of the government. The massive crowds that gathered at Jantar Mantar and Parliament Street, the heart of Delhi, on July 20th made it clear that the central government appears to be on the back foot, both strategically and emotionally. Following the West Bengal Assembly election results and political successes, an atmosphere of euphoria and triumph was observed within the Bharatiya Janata Party. Electoral victories infuse new energy into the party's workers and top leadership, but parallel to the joy of this political victory, a growing discontent has taken shape on the streets of the national capital, Delhi, placing the central government at a critical and extremely sensitive juncture. The controversy surrounding alleged rigging, paper leaks, OMR errors, and mark allocation in the NEET (National Eligibility cum Entrance Test) exam, conducted for medical admissions, has deeply concerned millions of candidates, their parents, and the youth of the country. This discontent is no longer confined to examination centers or classrooms; it has spread as a widespread public movement, from Jantar Mantar to the streets of Parliament Street. The recent controversial "cockroach" remark by the Chief Justice of the Supreme Court during a hearing added fuel to the fire. This remark sparked widespread disappointment and discontent among youth and justice-minded citizens. In the era of social media, public outrage has taken the form of satire and digital protest, resulting in names like "Cockroach Janata Party" (CJP) trending rapidly on the internet. This incident is not merely a satire, but an indication of how deeply hurt the country's youth are by the indifference of the system. The massive crowds that gathered at Jantar Mantar and Parliament Street, the heart of Delhi, on July 20th made it clear that the central government appears to be on the back foot, both strategically and emotionally. To deeply understand the entire incident and the youth's anger, we must objectively analyze India's demographic transition and the socio-political psychology of the new generation. Children who were only 4 or 5 years old when the government changed at the center in 2014 will now be young men aged 16 to 18 in 2026. This is a generation that has grown up entirely within the policies, systems, and promises of the current regime. This young generation has no vivid memories of the political, social, or administrative era before 2014. They have no personal experience of the shortcomings, corruption, or administrative dysfunctions of the then UPA-1 or UPA-2 governments. Therefore, whenever administrative failures or exam malpractices are exposed, the argument that "this happened before 2014" or "paper leaks also occurred during previous governments" is unacceptable to this new generation.For them, the current system is their world. They demand answers directly from today's government, today's examination agencies, and the current administrative system. Today's youth are not willing to ignore their current problems based on past events or historical comparisons. The system of information exchange has completely changed. There was a time when mainstream media solely determined public opinion. Today, social media has become a bigger and more influential voice than mainstream media. Platforms like Instagram, YouTube, Facebook, and Telegram have provided every citizen, and especially youth, with an unlimited platform to express their views openly. When mainstream media does not give adequate coverage to youth issues and exam malpractices, this anger spreads like wildfire on social media.However, this immense power of social media is accompanied by a significant crisis: the increasing complexity of distinguishing between truth and falsehood.During the recent NEET exam results and controversies, social media was flooded with allegations and claims. Numerous videos, screenshots, and documents were shared alleging that the results were completely falsified. Candidates showed their OMR sheets and claimed massive irregularities.When the National Testing Agency and investigating agencies conducted a technical investigation into these claims, a shocking fact emerged: the OMR sheets used in many of the claims were completely fake, created with the help of modern artificial intelligence tools and editing software to create confusion.This tragedy of the digital age has further complicated the matter. While genuine aggrieved candidates are pleading for justice, AI-generated content and false rumors have made it extremely difficult to distinguish between truth and falsehood. This fraud further deepens the confusion in the minds of the general public and students, making the situation even more explosive.The most tragic and heartbreaking aspect of the NEET episode is that amid this stalemate and uncertainty, approximately 20 candidates took the extreme step of suicide.The untimely demise of innocent young people aged 17-18 is a profound shock not only to their families but also to the conscience of the entire nation. However, suicide can never be justified or justified under any circumstances. To live and to fight against failure or injustice is to live.It is necessary to fight this.Life is far more precious than any exam, degree, or position, but we cannot shirk our social responsibility by simply advising students to be mentally strong. We must delve deeper into the reasons that push young people to such extreme steps. For example, in India, becoming a doctor or engineer is not just a career choice, but a question of the entire family's social prestige. Parents pinning their savings and hopes on their children inadvertently creates immense mental pressure. The toxic culture of comparison by relatives and society completely shatters young people's self-confidence. From Kota in Rajasthan to various coaching hubs across the country, children are subjected to the pressure of 14-16 hours of study and constant competition, where failure is met with no sympathy. When, after a year of hard work, a child learns that the exam on which their future was supposed to be decided has been rigged or the paper has been leaked, they lose faith in the system. The government must understand that simply conducting exams is not enough. A dedicated national policy and comprehensive program must be immediately implemented to improve the mental health and well-being of millions of competitive students in the country. Ensuring trained counselors, helplines, and a stress-free environment in every school, college, and coaching institute should be a shared priority for the government and society. The scenes witnessed at Jantar Mantar.

मुरादाबाद में कोचिंग छात्रा की गला दबाकर हत्या, मर्डर कर ढेला नदी के किनारे फेंका गया शव

मुरादाबाद में ठाकुरद्वारा में कोचिंग कर रही बिजनौर की ललिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसका शव भगतपुर क्षेत्र में ढेला नदी किनारे मिला, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजनौर की ललिता की गला दबाकर हत्या की गई। शव भगतपुर क्षेत्र में ढेला नदी किनारे मिला। -पुलिस हत्या के कारणों और आरोपियों की जांच में जुटी।ठाकुरद्वारा में रहकर कोचिंग कर रही बिजनौर की ललिता की हत्या कर शव भगतपुर क्षेत्र में ढेला नदी के किनारे फेंक दिया। युवती के चेहरे पर चोट के निशान हैं। मामले की जानकारी युवती के स्वजन को दे दी है।

बिजनौर के रेहड़ा थाना क्षेत्र के गांव नारायण निवासी सोदपाल की बेटी ललिता बीते एक साल से ठाकुरद्वारा में रहकर कोचिंग करती थी। शुक्रवार को युवती का भाई बहन से ठाकुरद्वारा मिलने आया था। बहन को जरूरी सामान दिलवाकर वापस घर चला गया। इसके बाद रात में युवती अचानक गायब हो गई।शनिवार दोपहर भगतपुर क्षेत्र के ग्राम मानपुर दत्तराम के पास एक युवती का शव मिला है। पुलिस ने युवती के पास से मिले दस्तावेज के माध्यम से उसकी शिनाख्त कर स्वजन को जानकारी दी। प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार युवती की गला दबाकर हत्या की गई है। हत्या किसने की और क्यों की इसकी जांच में पुलिस जुटी है।

यूपी हेल्थ डैशबोर्ड में जून की रैंकिंग में मुरादाबाद मंडल प्रदेश में प्रथम

मुरादाबाद जिले ने लगाई रैंकिंग में छलांग, 59 से सीधे चौथी रैंक पर यूपी हेल्थ डैशबोर्ड की जून रैंकिंग में मुरादाबाद मंडल ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं जिले ने 59 से सीधे चौथी रैंक पाई है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी से यूपी हेल्थ डैशबोर्ड की जून में जारी स्वास्थ्य रैंकिंग में मुरादाबाद मंडल ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। उसे 18 मंडलों में प्रथम स्थान मिला है। जिस पर चिकित्साधिकारियों के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रसन्नता जताई है। यूपी हेल्थ डैशबोर्ड की जून में जारी रैंकिंग में मंडल को प्रदेश के सभी मंडलों में प्रथम स्थान पाने का गौरव हासिल हुआ है। वहीं मुरादाबाद जिले ने भी अपनी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाकर 59 से सीधे चौथी रैंक पाई है। मंडल के अन्य जिलों ने भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते मंडल को गौरवान्वित किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मुरादाबाद मंडल के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अधिकारी देवेंद्र सैनी ने बताया कि प्रदेश में पहला रैंक मिलना इस बात का प्रमाण है

मुरादाबाद मंडल में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है। भविष्य में इसे बरकरार रखने की जरूरत है।मुरादाबाद मंडल के जिलों की रैंकिंग- मुरादाबाद- रैंक 4 (स्कोर- 0.68) -रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग (59 से सीधी रैंक 4) बिजनौर- रैंक 12 (स्कोर- 0.63) अमरोहा- रैंक 13 (स्कोर- 0.63) रामपुर- रैंक 24 (स्कोर 0.61) संभल- रैंक 32 (स्कोर 0.60) इन इंडीकेटर पर तय होती है रैंकिंग- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुवीर सिंह ने बताया कि यूपी हेल्थ डैशबोर्ड की रैंकिंग दस से अधिक बिंदुओं के आधार पर तय की जाती है। सभी पैरामीटर में बेहतर अंक मिलने पर रैंक बढ़ती है। इस बार मुरादाबाद मंडल व मुरादाबाद जिले में सभी पैरामीटर पर बेहतर अंक हासिल किया है। जिससे मंडल पूरे प्रदेश में टाप पर है। संस्थागत प्रसव दर- जन्म दर पूर्ण प्रतिरक्षण न्यू बार्न रिवाइज्ड एचबीएनसी विजिट टीबी नोटिफिकेशन रेट निक्षय पोर्टल पर मंथली डेटा एचआईवी स्क्रीनिंग प्रसव दर

संक्षिप्त समाचार

जौहर यूनिवर्सिटी: सपा सांसदों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पहुंचेगा रामपुर, आंदोलनरत छात्रों को देंगे समर्थन

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के विरोध में समाजवादी पार्टी ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। शनिवार को सपा के सांसदों और पूर्व सांसदों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रामपुर पहुंचकर आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद डीएम को ज्ञापन सौंपेगा। जौहर यूनिवर्सिटी के 40 में से 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ सपा खुलकर मैदान में आ गई है। शनिवार को सपा के सांसद

और पूर्व सांसदों का 12 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल रामपुर पहुंचेगा। पहले सांसद आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात करेंगे और फिर डीएम को ज्ञापन दिया जाएगा। बृहस्पतिवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में विधायक और पूर्व विधायकों का एक दल रामपुर गया था। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से जारी पत्र के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर गठित प्रतिनिधिमंडल शनिवार को जिला प्रशासन से मुलाकात कर यूनिवर्सिटी के संबंध में वार्ता करेगा। उनकी ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जौहर यूनिवर्सिटी के भवनों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शिक्षा के अधिकार और संविधान की भावना के विपरीत है। पार्टी का मानना है कि विश्वविद्यालय में गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग सहित विभिन्न समुदायों के हजारों छात्र-छात्राएं नाममात्र की फीस पर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे में ध्वस्तीकरण से विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रतिनिधिमंडल डीएम से मुलाकात कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं किए जाने के संबंध में वार्ता करेगा तथा पूरे मामले की रिपोर्ट समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा। प्रतिनिधिमंडल में यह रहेंगे शामिल- रामपुर सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर, सांसद जावेद अली खान, महाराष्ट्र के सपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक (पूर्व सांसद) अबू आसिम आजमी, सांसद हरेंद्र सिंह मलिक, सांसद रुचिवीरा, सांसद इकरा हसन, सांसद राजीव राय, सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी, सांसद नीरज मौर्य, सांसद जियाउर्रहमान बर्क, सांसद देवेश शाक्य तथा सांसद राम शिरोमणि वर्मा शामिल रहेंगे। सपा से जुड़े सांसदों का प्रतिनिधि मंडल शनिवार को रामपुर पहुंच रहा है। वह यहां यूनिवर्सिटी के छात्रों से मुलाकात करेगा और फिर डीएम को ज्ञापन सौपेगा। प्रशासन से इसकी अनुमति मिल गई है। -अजय सागर, सपा जिलाध्यक्ष पुलिस प्रशासन भी सतर्क- रामपुर। सपा के प्रतिनिधि मंडल के रामपुर आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रशासन ने पुलिस के साथ ही प्रशासनिक अफसरों की टीम को निगरानी के लिए लगाया है। इस दौरान जगह-जगह पुलिस तैनात की जाएगी।

43वीं यूपी पुलिस प्रतियोगिता: मुरादाबाद के DIG ने टेबल टेनिस में जीता स्वर्ण, मेरठ का बैडमिंटन में दबदबा

43वीं यूपी पुलिस वार्षिक बैडमिंटन व टेबल टेनिस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल और खिताबी मुकाबले संपन्न हुए। मुरादाबाद के डीआइजी मुनीराज जी ने टेबल टेनिस में स्वर्ण जीता, जबकि मेरठ, प्रयागराज और गोरखपुर के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया।मुरादाबाद डीआइजी मुनीराज जी ने टेबल टेनिस में स्वर्ण जीता। प्रयागराज की गुनगुन ने टेबल टेनिस में तीन स्वर्ण पदक जीते। बैडमिंटन में मेरठ की सिमरन चौधरी ने ओपन महिला एकल जीता।43वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन व टेबल टेनिस प्रतियोगिता के शुक्रवार को सेमीफाइनल और खिताबी मुकाबले चले। रिजर्व पुलिस लाइंस और नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में 17 स्पर्धाओं के फाइनल में मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, बरेली और जीआरपी जोन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। मुरादाबाद के डीआइजी मुनीराज जी ने बरेली जोन के उपनिरीक्षक

अरविंद चौधरी के साथ टेबल टेनिस ओपन पुरुष डबल्स का स्वर्ण जीतकर मेजबान जिले का मान बढ़ाया। वहीं, बैडमिंटन में मेरठ की सिमरन चौधरी, अनिल सिरोही और मध्य पीएसी के धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय अपने-अपने वर्ग में विजेता रहे।टेबल टेनिस में प्रयागराज जोन की गुनगुन ने ओपन महिला एकल, ओपन महिला युगल और मिक्स डबल्स में जीत दर्ज कर एक ही दिन में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं बैडमिंटन में मेरठ जोन की सिमरन चौधरी ने ओपन महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी बादशाहत साबित की। 50 प्लस पुरुष वर्ग में मेरठ के अनिल सिरोही ने शानदार खेल दिखाते हुए जीआरपी के दीनदयाल तिवारी को हराकर स्वर्ण पदक जीता।55 प्लस वर्ग में मध्य पीएसी जोन के धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने एकल और युगल दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। वहीं गोरखपुर की सरिता नागवंशी ने टेबल टेनिस 50 प्लस महिला एकल और मिक्स डबल्स में जीत दर्ज कर दो स्वर्ण अपने नाम किए। बैडमिंटन के 45 प्लस ओपन डबल्स में गोरखपुर के कदीम अली और आगरा के वरुण पंवार ने पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनीराज और बरेली के कुलदीप सिंह की जोड़ी को हराकर खिताब जीता। महिला बैडमिंटन ओपन डबल्स में गोरखपुर की नंदिनी यादव और प्रयागराज की रुद्राणी जायसवाल की जोड़ी ने कानपुर की आरती सिंह पाल और रिचा यादव को हराकर खिताब जीता। 40 प्लस महिला टेबल टेनिस में रेडियो जोन की अर्चना ने एकल और युगल दोनों वर्गों में जीत दर्ज कर दोहरा स्वर्ण हासिल किया। विजेताओं को 26 जुलाई को पुलिस अकादमी में पुरस्कृत किया जाएगा।

मस्जिद में नमाज पढ़ने से रोका, मुतवल्ली समेत पांच के खिलाफ केस, पलायन करने के लिए किया जा रहा मजबूर

संभल के मांडली समसपुर में मस्जिद में नमाज को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। एक पक्ष ने आरोप लगाया है कि समझौते की शर्तों का उल्लंघन कर नई परंपराएं शुरू की गईं और विरोध करने पर उन्हें मस्जिद में नमाज पढ़ने से रोकने, जान से मारने की धमकी देने तथा गांव छोड़ने का दबाव बनाया गया। एसपी के आदेश पर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के गांव मांडली समसपुर में मस्जिद में नमाज पढ़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद खड़ा हो गया है। एक पक्ष का आरोप है कि मस्जिद में छह वक्त की नमाज अदा कराई जा रही है, जो नई परंपरा है। इसके अलावा भी कई नए काम कराए जा रहे हैं। जब विरोध किया तो दूसरे पक्ष के लोगों ने नमाज पढ़ने से रोक दिया। जान से मारने की धमकी देते हुए गांव से चले जाने को कहा। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। गांव मांडली समसपुर निवासी वसीम ने शुक्रवार को एसपी से शिकायत की है। इसमें कहा है उनके गांव में 120 साल पुरानी मस्जिद है। जिसमें देवबंदी और बरेलवी मसलक के लोग एक साथ नमाज पढ़ते थे।एक जनवरी 2024 को अजान देने, इमाम को खाना खिलाने, चंदा देने और नमाज अदा करने को लेकर विवाद हो गया था। यह मामला पुलिस तक पहुंचा तो थाने में दोनों पक्षों के बीच कुछ शर्त पर आपसी समझौता हो गया था। शर्त थी कि अजान मस्जिद के इमाम पढ़ेंगे, चंदा सभी से क्षमता के अनुसार लिया जाएगा। मस्जिद के इमाम का खाना सभी घरों से आएगा। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह व्यवस्था 18 महीने तक चलती रही लेकिन अब मस्जिद के मुतवल्ली अतीक अहमद, उनके बेटे शाने आलम, आमिर, भोलू, हाफिज मारूफ ने नई परंपरा शुरू कर दी। अजान खुद देने लगे। इसका विरोध किया तो मस्जिद के इमाम का चंदा भी लेना बंद कर दिया और खाना भी खिलाना बंद कर दिया गया। जब विरोध किया तो पूरे परिवार को धमकाया गया है। पलायन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मस्जिद में नमाज भी अदा नहीं कराई जा रही।मसलक के साथ बिरादरी के बीच विवाद का आरोप- शिकायतकर्ता वसीम का आरोप है कि वह देवबंदी होने के साथ पिछड़ी जाति से है और आरोपी पक्ष बरेलवी मसलक के साथ तुर्क बिरादरी से आता है। आरोप है कि गांव में उनके परिवार का हर तरह से बहिष्कार किया जा रहा है। पुलिस से गुहार लगाई है कि उसके साथ उसके परिवार को सुरक्षा और मस्जिद में नमाज अदा करने की अनुमति दिलाई जाए।शिकायतकर्ता ने कार्रवाई की मांग की थी। ऐंचोड़ा कंबोह थाने में मामला दर्ज करा दिया गया है। आगे की छानबीन गहनता से करने के निर्देश दिए हैं। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। - कृष्ण

मुरादाबाद में बड़ा खेल! एक ही परिवार को बांट दिए 12 फ्लैट, समिति की जांच रिपोर्ट में खुले कई राज

मुरादाबाद की माया नगर सहकारी आवास समिति की जांच रिपोर्ट में बड़े खुलासे हुए हैं, जिसमें एक ही परिवार को 12 फ्लैट आवंटित करने और नियमों का उल्लंघन कर चहेतों को लाभ पहुंचाने का आरोप है। रिपोर्ट में फर्जीवाड़े, अवैध भूमि विनिमय और बैंक खातों के अनियमित संचालन का भी जिक्र है।एक टावर में कुल 28 फ्लैट और उनमें से करीब आधे यानी 12 फ्लैट एक ही परिवार के नाम। यह दावा किसी शिकायतकर्ता का नहीं, बल्कि माया नगर सहकारी आवास समिति की अंतरिम प्रबंध समिति की जांच रिपोर्ट का है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि समिति के तत्कालीन पदाधिकारियों ने नियमों को ताक पर रखकर अपने चहेतों और परिवारों को लाभ पहुंचाया, जबकि वर्षों से भूखंड और फ्लैट का इंतजार कर रहे वास्तविक सदस्य अपने अधिकार से वंचित रह गए।

रिपोर्ट के अनुसार विनायक अपार्टमेंट में फ्लैट आवंटन के दौरान सबसे अधिक लाभ बिज परिवार को मिला। एक ही परिवार के 12 सदस्यों के नाम टावर-बी में फ्लैट दर्ज हैं। इतना ही नहीं, तत्कालीन सभापति पूर्व विधायक फूलकुंवर ने अपने और अपने बेटे के नाम फ्लैट आवंटित कराए, जबकि तत्कालीन सचिव अजय कुमार दुबे ने भी अपने परिवार के सदस्यों को अलग-अलग फ्लैट दिलाए।कई अन्य परिवारों को भी एक से अधिक फ्लैट आवंटित किए जाने का उल्लेख रिपोर्ट में किया गया है। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सदस्यताओं के हस्तांतरण के लिए न तो प्रबंध समिति का कोई वैध प्रस्ताव मिला और न ही नियमानुसार हस्तांतरण शुल्क जमा कराने का रिकॉर्ड उपलब्ध है। इसलिए इन सदस्यताओं की वैधता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।रिपोर्ट के अनुसार

समिति के अभिलेखों में बड़े पैमाने पर वाइटनर, कटिंग और कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। कई मामलों में मूल सदस्यों की जानकारी के बिना उनकी सदस्यता दूसरे लोगों के नाम स्थानांतरित कर दी गई। नामिनी के नाम बदलने तक के संकेत मिले हैं। यही नहीं, समिति की बहुमूल्य जमीन को वर्षों बाद कम कीमत वाली भूमि से एक्सचेंज कर दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस प्रक्रिया के लिए भी कोई वैध प्रस्ताव उपलब्ध नहीं है, जिससे समिति को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। लाकड़ी फाजलपुर योजना में भी रिकार्ड अधूरे मिले। 678 सदस्यों में से अधिकांश की मूल फाइलें उपलब्ध नहीं हैं। केवल 16 सदस्यों की अपूर्ण पत्रावलियां कार्यालय में मिलीं। रिपोर्ट के अनुसार समिति के बैंक खातों का संचालन भी नियमों के विरुद्ध किया गया। खाते बिल्डर के साथ संयुक्त हस्ताक्षरों से संचालित किए गए और अभिलेखों पर विधिवत हस्ताक्षर तक नहीं मिले। अंतरिम प्रबंध समिति का मानना है कि समिति अपने मूल उद्देश्य से पूरी तरह भटक गई।

जिन लोगों ने वर्षों पहले भूखंड के लिए धन जमा किया, उन्हें आज तक कब्जा नहीं मिला, जबकि समिति की बहुमूल्य जमीन उद्योगपतियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक पहुंच गई।

रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम, 1965 की धारा-65 के तहत विस्तृत जांच कराने, अवैध सदस्यताओं का सत्यापन, जमीन का चिन्हांकन, अवैध कब्जे हटाने और दोषी पदाधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

शहर के इन परिवारों पर दिखाई मायानगर के जिम्मेदारों ने मेहरबानी

अंतरिम कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, इन परिवारों और पदाधिकारियों को नियमों के विपरीत एक से अधिक फ्लैट आवंटित किए गए-

बिज परिवार -सुकेश कुमार बिज, सुनीता बिज, इशु बिज, भोला नाथ बिज, आशा बिज, अशोक कुमार बिज, श्वेता बिज, अनिल कुमार बिज, विमल बिज, अनुभव बिज, विनोद कुमार बिज और सुदमन कुमार को टावर-बी में कुल 12 फ्लैट आवंटित किए गए।

मल्होत्रा परिवार - केवल कृष्ण मल्होत्रा, अजला मल्होत्रा और मेघा मल्होत्रा को तीन फ्लैट आवंटित किए गए।

तत्कालीन सभापति फूलकुंवर - रिपोर्ट के अनुसार स्वयं फूलकुंवर को एक फ्लैट और उनके पुत्र कुंवर मयंक सिंह को एक अन्य फ्लैट आवंटित किया गया।

तत्कालीन सचिव अजय कुमार दुबे - अजय कुमार दुबे, उनके पुत्र राहुल दुबे और राशि दुबे के नाम तीन फ्लैट आवंटित किए गए।

महेन्द्रपाल सिंह राठी परिवार - महेन्द्रपाल सिंह राठी और उनकी पुत्री अनविता को दो फ्लैट आवंटित किए गए।

अग्रवाल परिवार- सुनील कुमार अग्रवाल और उनकी पत्नी वाणी अग्रवाल को दो फ्लैट आवंटित किए गए।

रिपोर्ट का दावा है कि इन सदस्यताओं के हस्तांतरण के संबंध में प्रबंध समिति का कोई वैध प्रस्ताव और नियमानुसार हस्तांतरण शुल्क जमा होने का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिला। इसी आधार पर अंतरिम प्रबंध समिति ने इन आवंटनों की वैधता पर प्रश्न उठाते हुए धारा-65 के तहत विस्तृत जांच की संस्तुति की है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी पीलीभीत द्वारा थाना न्यूरिया पर किया गया थाना समाधान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ सुमित गुप्ता/ पीलीभीत पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव एवं जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह द्वारा थाना न्यूरिया पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनता की समस्याओं को सुना गया। शिकायतों/प्रार्थना पत्रों की समीक्षा कर उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा राजस्व संबंधी शिकायतों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना क्षेत्र के आसपास के समस्त ग्राम प्रधानों को भी बुलाया गया। इस दौरान उनसे उनके-अपने ग्रामों की समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त की गई तथा सभी के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर के आह्वान पर जिलाधिकारी को सोपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद माननीय एडवोकेट चन्द्रशेखर आजाद के आह्वान पर आज जिलाध्यक्ष प्रेम गौतम के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय, पीलीभीत पर धरना-प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में NEET सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं, छात्र आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई तथा मौलाना जौहर विश्वविद्यालय पर प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रेम गौतम ने कहा कि शिक्षा, रोजगार और न्याय प्रत्येक युवा का अधिकार है। सरकार को युवाओं की समस्याओं का समाधान करते हुए परीक्षा एवं भर्ती व्यवस्था को पारदर्शी बनाना चाहिए। यदि युवाओं की मांगों की अनदेखी की गई तो आजाद समाज पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल प्रभारी अजय प्रधान, जिला प्रभारी आकाश सिंह आजाद, अब्दुल वहीद खां, रामचन्द्र प्रजापति , जिला महासचिव आकिब रज़ा, जिला उपाध्यक्ष अकील अहमद, राजकुमार गौतम, रमेश गौतम, नावेद रज़ा, विधानसभा अध्यक्ष राजाराम गौतम, रेहान अल्वी , हरीश गंगवार, फैजान हुसैन, डॉ. नागेन्द्र गौतम, सुरलाल गौतम, राशिद साबरी, मुसब्बिर अली, असगर हुसैन अंसारी, इकबाल अंसारी, राज सागर, मंजीत सिंह, ह्रदेश सागर, सुभाष दिवाकर, आनंद प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना नक्शा पास कराए रखी एक भी ईंट तो पड़ सकता है भारी , बीडीए ने जारी किया अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। शहर में तेजी से बढ़ रहे अवैध निर्माणों पर अब बीडीए ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शनिवार को बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पाण्डेय ने शहर के कई इलाकों में अचानक पहुंचकर निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा बिना स्वीकृत नक्शे के बन रहे भवन किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। ऐसे निर्माणों पर सीलिंग से लेकर ध्वस्तीकरण तक की कार्रवाई होगी।

बीडीए उपाध्यक्ष ने डोहरा रोड, पीलीभीत बाईपास, सतीपुर चौराहा, 100 फुटा रोड, मिनी बाईपास और रामपुर रोड समेत कई इलाकों में चल रहे निर्माण कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हर निर्माण पर पैनी नजर रखी जाए और नियमों की अनदेखी करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

पहले नक्शा पास कराएं, फिर रखें एक भी ईंट

बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पाण्डेय ने कहा कि भवन निर्माण शुरू करने से पहले बीडीए से नक्शा पास कराना अनिवार्य है। निर्माण उसी नक्शे के मुताबिक होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति बिना अनुमति या स्वीकृत नक्शे से अलग निर्माण करता मिला तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अब हर नए निर्माण स्थल पर एक डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। इस बोर्ड पर नक्शा स्वीकृति संख्या, स्वीकृति की तारीख और अन्य जरूरी जानकारी लिखी जाएगी, ताकि कोई भी आसानी से जान सके कि निर्माण वैध है या नहीं।

ग्राम केसरपुर कोटेदार के विरुद्ध क्षेत्रीय खाद्यय अधिकारी व पूर्ति निरीक्षक ने जांच के दौरान कालाबाजारी की पुष्टि होने पर मुकदमा पंजीकृत

क्यूँ न लिखूँ सच/ शेर सिंह / भुता। थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुर स्थित सरकारी राशन की दुकान कोटेदार द्वारा हिंदू कार्ड धारकों को राशन न देने व अभद्र टिप्पणी , गाली गलौज की शिकायत पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी व पूर्ति निरीक्षक द्वारा जांच पड़ताल के दौरान अभिलेखों के अनुसार स्टॉक कम मिलने पर कालाबाजारी की पुष्टि पर पूर्ति निरीक्षक द्वारा कोटेदार के खिलाफ उ प्र आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। ग्राम केसरपुर में बाबू बख्श की बेटी कलीमा खातून के नाम सरकारी राशन की दुकान है। ग्रामीण राशन कार्ड उपभोक्ताओं को राशन न देने , कम देने, गाली गलौज करने व प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने की वीडियो वायरल हुई थी। जिस पर क्षेत्रीय खाद्यय अधिकारी विवेक कुमार पूर्ति निरीक्षक शिखा तिवारी में ग्राम केसरपुर राशन की दुकान पर निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर का मिलान करने पर 50.535 गेहूं,37.345 चावल,33 किलो चीनी, 53 किलो कम खाद्यान्न पाने पर कालाबाजारी की पुष्टि हुई। जिसकी रिपोर्ट जिला पूर्ति अधिकारी व जिला अधिकारी के अनुमोदन के बाद पूर्ति निरीक्षक शिखा तिवारी ने आज शनिवार को तहरीर देकर उप्र आवश्यक वस्तु अधिनियम के 3 / 7 के तहत कोटेदार कलीमा खातून के विरुद्ध थाना भुता में मुकदमा पंजीकृत कराया है। इधर पूर्ति निरीक्षक शिखा तिवारी ने बताया ग्राम केसरपुर की राशन की दुकान का खाद्यान्न इस्माइलपुर सागर स्वयं सहायता समूह की संचालिका मधु कुमारी सुपुर्द कर दिया गया है।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन, पंच सूत्रीय शपथ के साथ नवीन सत्र का आगाज

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली।महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, बरेली में सत्र 2026-27 के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, विभिन्न सुविधाओं एवं छात्र कल्याण गतिविधियों से परिचित कराना था।

महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित), निदेशक डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. के. के. अग्रवाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर पर महामंत्री, निदेशक तथा शिक्षकों ने सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पंचसूत्री शपथ दिलाई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनसे महाविद्यालय की गौरवशाली परंपराओं का पालन करने तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया तथा नवनिर्मित खेलकूद, राष्ट्रीय सेवा योजना,

प्राचार्य कक्ष एवं बीएससी बायोटेक कक्षा का उद्घाटन किया ।धन्यवाद देते हुए निदेशक डॉ. प्रवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि छात्रों को नियमित कक्षाएं लेने तथा अनुशासन बनाए रखने की अपील की , विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, प्लेसमेंट एवं करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, एंटी-रैगिंग समिति, छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ तथा अन्य छात्र सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। मंच संचालन डॉ. सोनल अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, प्रवक्तागण, शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।

महिलाओं की आवाज बनी प्राथमिकता, जनसुनवाई में 6 मामलों का तत्काल समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पाण्डेय की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील सदर सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा, नायब तहसीलदार विदित कुमार व प्रभात मिश्रा, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अजमेर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य शिविर लगाकर महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया और जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित कीं। जनसुनवाई के बाद महिला आयोग की सदस्या ने जिला महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने राजकीय महिला शरणालय का भी निरीक्षण किया, जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। उन्होंने शरणालय में रह रही संवासिनियों से संवाद कर उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। महिला आयोग की इस पहल से महिलाओं को अपनी समस्याएं सीधे आयोग के समक्ष रखने का अवसर मिला और कई मामलों में तत्काल राहत भी मिली।

पेपर लीक, जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में भीम आर्मी का बड़ा प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम भेजा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, भर्ती घोटालों और नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में शनिवार को बरेली में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के नेतृत्व में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया गया। दामोदर पार्क में आयोजित धरने के बाद बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और युवाओं ने कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकालकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। दामोदर पार्क से कलेक्ट्रेट तक गूंजे नारे- धरना समाप्त होने के बाद प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर दामोदर पार्क से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च करते हुए पहुंचे। पूरे रास्ते युवाओं ने पेपर लीक, भर्ती घोटालों और छात्रों पर हुई कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट पहुंचने पर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। पेपर लीक से युवाओं का भविष्य खतरे में होने का आरोप ज्ञापन में कहा गया कि NEET, JEE, रेलवे, स्स्ट, शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती सहित कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं में लगातार पेपर लीक और भर्ती घोटालों ने लाखों-करोड़ों युवाओं के भविष्य को संकट में डाल दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वर्षों की मेहनत के बाद भी अभ्यर्थियों को पारदर्शी परीक्षा प्रणाली नहीं मिल रही, जिससे युवाओं का भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है।जंतर-मंतर लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच की मांग- प्रदर्शनकारियों ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और अभ्यर्थियों पर हुए कथित लाठीचार्ज की उच्चस्तरीय न्यायिक या स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और आंदोलन से जुड़े छात्रों पर दर्ज मामलों को वापस लेने की भी मांग उठाई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गौवंशों की सुरक्षा पर प्रशासन अलर्ट, टीकाकरण और रेडियम बेल्ट अभियान तेज

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली । कांवड़ यात्रा और बरसात के मौसम को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने गौवंशों की सुरक्षा और गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर बड़ा फैसला लिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गौवंशों का तत्काल संरक्षण किया जाए और उन्हें रेडियम बेल्ट पहनाई जाए, ताकि रात के समय कांवड़ मार्गों पर दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके। बैठक में डीएम ने अवैध कब्जों से मुक्त कराई गई भूमि पर नैपियर घास, बरसीन और चरी की बुवाई कराने, सभी गौवंशों का समयबद्ध टीकाकरण पूरा करने तथा वैक्सीन की कोल्ड चेन हर हाल में बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही जहां पैरावेट की कमी है, वहां तत्काल तैनाती कर वैक्सीनेशन अभियान पूरा कराने के आदेश भी दिए। अधिकारियों को साफ संदेश दिया गया कि गौशालाओं की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गन्ना सर्वे में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त ! उप गन्ना आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण, किसानों को दिए जरूरी निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। गन्ना सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन अभियान के तहत उप गन्ना आयुक्त ने फरीदपुर क्षेत्र के ग्राम कुइया खेड़ा और सिमरा बोरीपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि सर्वे से जुड़े 63 कॉलम-जैसे कृषि भूमि, बैंक खाता, गन्ना प्रजाति और पेड़ी/पौधा की जानकारी- का अच्छी तरह मिलान कर लें और किसी भी त्रुटि को मौके पर ही सही करा लें। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक किसान से रिकॉर्ड का सत्यापन कर हस्ताक्षर अवश्य कराएं। साथ ही किसानों को सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं की जानकारी देकर अधिक से अधिक पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया गया। उप गन्ना आयुक्त ने खेतों का निरीक्षण भी किया। एक खेत में पोक्का बोइंग रोग मिलने पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड के छिड़काव की सलाह दी गई, जबकि दूसरे खेत की फसल संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों ने कहा कि सही सर्वे और समय पर सुधार से पेराई सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

श्रावण के कांवड़ यात्रा के लिए यातायात पुलिस ने किया डायवर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो / बरेली। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस ने व्यापक डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक लागू रहेगी। इस दौरान कांवड़ियों की आवाजाही को

देखते हुए शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा तथा रोडवेज बसों और हल्के वाहनों के लिए भी वैकल्पिक रूट निर्धारित किए गए है । यातायात पुलिस के अनुसार अधिकांश कांवड़िये कछला घाट, गढ़मुक्तेश्वर और हरिद्वार से गंगाजल लेकर बरेली के प्रमुख शिव मंदिरों तक पहुंचेंगे। इसे देखते हुए प्रत्येक सोमवार के जलाभिषेक के दौरान शुक्रवार रात से सोमवार रात तक विशेष ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। भारी वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा और उन्हें गंगा एक्सप्रेस-वे, बड़ा बाईपास तथा अन्य वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा। वहीं रोडवेज बसों और छोटे वाहनों के लिए भी अलग-अलग रूट तय किए गए हैं, ताकि आम नागरिकों और कांवड़ यात्रियों दोनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रमुख चौराहों, तिराहों और डायवर्जन स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। वायरलेस सेट, रिफ्लेक्टर जैकेट और सुरक्षा उपकरणों के साथ यातायात कर्मी लगातार निगरानी करेंगे। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यात्रा से पहले डायवर्जन प्लान की जानकारी अवश्य लें और यातायात नियमों का पालन करते हुए प्रशासन का सहयोग करें।

15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षरों वाले ज्ञापन 27 जुलाई को देशभर में सौंपे जाएंगे

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रवीण शर्मा/ रायपुर । गो सम्मान आह्वान अभियान के दूसरे चरण के तहत 27 जुलाई को देशभर के सभी जिलों में एक साथ प्रार्थना यात्राएं निकाली जाएंगी। अभियान के अंतर्गत जिलाधीशों के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संबंधित राज्यों के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्रियों को 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों वाले प्रार्थना-पत्र एवं ज्ञापन सौंपे जाएंगे। रायपुर में सुबह 7:30 बजे से होगा कार्यक्रम राज्य प्रभारी श्री भारत दास महाराज ने बताया कि रायपुर में 27 जुलाई को सुबह 7:30 बजे श्री महामाया मंदिर, पुरानी बस्ती में गोमाता पूजन, शंखनाद एवं सामूहिक श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र जाप के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद प्रार्थना यात्रा महामाया मंदिर से प्रारंभ होकर बूढ़ातालाब, इंडोर स्टेडियम, नगर निगम मुख्यालय, महिला थाना चौक और मोतीबाग चौक होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेगी। यहां जिलाधीश के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण-बलराम की झांकी, गोमाता एवं बछड़े का स्वरूप, अभियान के बैनर तथा हस्ताक्षर अभियान का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया जाएगा। अभियान से जुड़े संत-महात्मा, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, किसान, युवा, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में गोभक्त शामिल होंगे। अभियान की ओर से रायपुर सहित प्रदेश के सभी नागरिकों से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर गोमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के इस जनजागरण अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की गई है।

यह जानकारी शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गई। प्रेस वार्ता में श्री भारत भाई महाराज, नरेंद्र गुप्ता, आदेश सोनी तथा प्रेस प्रभारी प्रवीण शर्मा गो सम्मान आह्वान अभियान से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जनपद के किसानों को मिला आर्थिक संबल

क्यूँ न लिखूँ सच/ जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जनपद के किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। योजना के अंतर्गत पात्र किसानों के बैंक खातों में प्रतिवर्ष सीधे डीबीटी के माध्यम से सम्मान निधि हस्तांतरित की जा रही है। वर्ष 2017 से अब तक जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 04 लाख 27 हजार 839 किसानों के बैंक खातों में लगभग 1882.02 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई है। डीएम ने बताया कि किसानों को खेती-किसानी के कार्यों, बीज, उर्वरक एवं अन्य कृषि निवेशों में समय पर आर्थिक सहायता मिल रही है। जनपद की दातागंज विधानसभा क्षेत्र के 1,11,740 किसानों को अब तक 491.65 करोड़ रुपये की सम्मान निधि उपलब्ध कराई गई है। बिसौली विधानसभा में 92,045 किसानों को 404.95 करोड़ रुपये, सदर बदायूं विधानसभा में 84,224 किसानों को 370.42 करोड़ रुपये, सहसवान विधानसभा में 57,543 किसानों को 253.15 करोड़ रुपये, बिल्सी विधानसभा में 51,532 किसानों को 226.73 करोड़ रुपये तथा शेखूपुर विधानसभा में 30,755 किसानों को 135.12 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। जनपद की छह विधानसभा क्षेत्रों में कुल 4,27,839 किसानों के खातों में योजनान्तर्गत लगभग 1,882.02 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे हस्तांतरित की गई है। डीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली एक प्रभावी पहल सिद्ध हुई है। योजना के माध्यम से किसानों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध होने से कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिला है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्राप्त हुई है। सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण थाना बिसौली समाधान दिवस में सुनी जनता की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच/ समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 ह्रदेश कठेरिया द्वारा थाना बिसौली पर उपस्थित रहकर फरियादियों की

समस्याओं को सुना गया तथा उनके विधिक एवं समयबद्ध निस्तारण कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया,साथ ही संबंधित अधिकारियों को जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए । समाधान दिवस रजिस्टर को चेक कर सम्बन्धित को अद्यावधिक हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । इस दौरान क्षेत्राधिकारी बिसौली श्री अंशुमन श्रीवास्तव व प्रभारी निरीक्षक बिसौली श्री कमलेश कुमार मिश्र व अन्य अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद रहे ।

थाना जरीफनगर पुलिस नें लूट व चोरी करने वाले गिरोह को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार जनपद में चलाये जा रहे लूट/ नकबजनी के अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही अभियान के अन्तर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 ह्रदेश कठेरिया के निर्देशानुसार तथा क्षेत्राधिकारी सहसवान श्री अशोक कुमार के पर्यवेक्षण में रात्रि गश्त के दौरान थाना जरीफनगर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर लूट व चोरी की घटना कारित करने वाले गिरोह 04 सदस्यो को थाना जरीफनगर क्षेत्र मे लूट की योजना बनाते समय गांव बागवाला के नजदीक स्वमिंग पुल के पास से किया गया गिरफ्तार पुलिस टीम थाना जरीफनगर गस्त पर रवाना थी मुखविर खास द्वारा सूचना दी गयी कि लूट व चोरी की घटना करने वाला एक गिरोह के 04 व्यक्ति अपनी गाडी के साथ लूट

की किसी घटना को अजांम देने के लिये गांव बागवाला के स्वमिंग पुल के पास मे बैठे हुये योजना बना रहे है मुखविर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी करके गिरोह के 04 सदस्यो 1. सोनू पुत्र कालीचरन निवासी ग्राम कोठे थाना अलापुर जनपद बदायूँ उम्र करीब 20 वर्ष 2. रविन्द्र पुत्र बलवीर निवासी ग्राम बनबोसारी थाना उसावाँ जिला बदायू उम्र करीब 22 वर्ष 3. अजीत पुत्र देवेन्द्र पाल निवासी ग्राम गढी थाना परौर जिला शाहजहाँपुर उम्र करीब 23 वर्ष 4. छोटू पुत्र भगवान सिंह निवासी ग्राम भोनपुरा थाना अम्बा जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । जो थाना जरीफनगर में लूट की घटना को अजांम देने के लिये आये हुये थे जो लूट की योजना बना रहे थे । अभियुक्त सोनू उपरोक्त के कब्जे से एक अदद नाजायज चाकू, अभियुक्त रविन्द्र उपरोक्त के कब्जे से अदद तमंचा 315 बोर मय 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर, अभियुक्त अजीतपाल के कब्जे से एक अदद चाकू तथा अभियुक्त छोटू उपरोक्त के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर मय 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुये तथा लूट/ चोरी के उपकरण एक सब्बल , एक कटर, एक हथौडा व अन्य उपकरण बरामद हुये । जिसके सम्बन्ध मे थाना हाजा पर मु0अ0सं0 217/2026 धारा 312/313 BNS व 3/25 (1-क), 4/25 (1-B)b A ACT किया गया, अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

थाना मूसाझाग पुलिस को मिली बड़ी सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच/ थाना मूसाझाग क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मैरी मजर के निकट गंगा एक्सप्रेस-वे पर एक घटना की सूचना प्राप्त हुई । बिहार से आ रहे कैन्टर संख्या Px7BT3121 को एक बोलेरो वाहन में सवार 03-04 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रातःकाल

रुकवाया गया । अज्ञात व्यक्तियों ने कैन्टर चालक एवं हेल्पर के साथ मारपीट कर उनके मोबाइल फोन छीन लिए तथा कैन्टर वाहन लेकर फरार हो गए । घटना के उपरांत चालक एवं हेल्पर को जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया। इस संबंध में कैन्टर चालक श्री जराफत पुत्र शफीक, निवासी ग्राम आरिफपुर, थाना बाबूगढ़, जनपद हापुड़ द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना मूसाझाग पर मु0अ0सं0 137/2026, धारा 309(6) बीएनएस के अंतर्गत अज्ञात बोलेरो वाहन तथा उसमें सवार 03-04 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया अभियोग उपरोक्त के अनावरण हेतु एसएसपी के निर्देशानुसार अपराध एवं अपरधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत थाना मूसाझाग पुलिस द्वारा जनपद रामपुर की थाना गंज टीम के सहयोग से अज्ञात लुटेरों व लूटे गये कैन्टर UP37BT3121 को बरामद कर घटना में शामिल अभियुक्तगण 01.हसीन पुत्र अनीस कुरैशी निवासी तालकपुर थाना भोट जनपद रामपुर 02. हारून पुत्र इस्तयाक निवासी अहेरीपुर थाना वकेवर जनपद इटावा को थाना गंज जनपद रामपुर क्षेत्रान्तर्गत से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तगण से पूछताछ पर इस घटना में इन दोनों अभियुक्तों के अलावां 1. अन्नू पुत्र लूकमान 2. भूरे 3. मुकुल 4. गुड्डू निवासी गण अहेरीपुर थाना बकेबर जनपद इटावा व 5. आरिस पुत्र हसीन निवासी तालकपुर थाना भोट जनपद रामपुर का सम्मिलित होना पाया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्तगण हसीन व हारून उपरोक्त को समय से मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को मिली नई गति : विदिशा में निकली भव्य नशा मुक्ति रैली, जनभागीदारी के साथ गूंजा नशामुक्त समाज का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान एवं पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार 15 से 30 जुलाई 2026 तक संचालित राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के अंतर्गत आज दिनांक 25 जुलाई 2026 को विदिशा में भव्य नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी एवं ब्रह्माकुमारी संस्था की आदरणीय सपना दीदी ने थाना यातायात, विदिशा से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली थाना यातायात से प्रारंभ होकर गुलाब वाटिका, बड़ा बाजार एवं माधवगंज होते हुए रेलवे स्टेशन, विदिशा पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। रैली में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, पत्रकारों एवं आमजन ने सहभागिता करते हुए नशामुक्त समाज का संदेश दिया। माज की संयुक्त भागीदारी से ही नशे के विरुद्ध प्रभावी एवं स्थायी लड़ाई संभव है। कार्यक्रम के दौरान जिला कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि नशे के विरुद्ध समाज का प्रत्येक वर्ग सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहा है तथा जिलेभर में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे से

किसी का कोई लाभ नहीं होता, बल्कि यह व्यक्ति, परिवार और समाज को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशे से दूर रहने तथा सभी नागरिकों से जनभागीदारी के माध्यम से नशामुक्त विदिशा के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। रेलवे स्टेशन पर दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ रैली के समापन पर रेलवे स्टेशन, विदिशा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी ने उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों, विद्यार्थियों, नागरिकों एवं सभी प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से स्वयं नशे से दूर रहने, दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार एवं सेवन की जानकारी तत्काल पुलिस को देकर नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प दिलाया।

उल्लेखनीय उपस्थिति- कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी, ब्रह्माकुमारी संस्था की आदरणीय सपना दीदी, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आनंद राज, महिला थाना प्रभारी उर्मिला यादव, थाना यातायात प्रभारी आशीष राय, सूबेदार मेघा शर्मा, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया के प्रतिनिधि सहित हजारों नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षामित्रों ने सीएम के नाम सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के आह्वान पर शनिवार को शिक्षामित्रों ने 25 जुलाई को बलिदान दिवस के रूप में मनाया। सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में एकत्र होकर शिक्षामित्रों ने दिवंगत साथियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद जिलाध्यक्ष कपिल यादव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र जिलाधिकारी के माध्यम से नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा को सौंपा गया। ज्ञापन में 12 महीने मानदेय, टीईटी उत्तीर्ण शिक्षामित्रों का शिक्षक पद पर समायोजन, सुपर टीईटी से छूट,

स्पेशल टीईटी का अवसर तथा सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग उठाई गई। साथ ही मूल विद्यालय वापसी को लेकर बीएसए कार्यालय में भी ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने चेतावनी दी कि 31 जुलाई तक कार्रवाई नहीं हुई तो 3 अगस्त को बीएसए कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षामित्र मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली। थाना देवरनियां पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के गंभीर मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार 22 जुलाई को दर्ज मुकदमे में पीड़िता को पहले ही सकुशल बरामद कर लिया गया था। बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मुकदमे में पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराएं बढ़ाई गईं। इसके बाद पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर मुख्य आरोपी अंकित को गिरधरपुर मार्ग के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया

वारंटियों पर पुलिस का शिकंजा, भुता पुलिस ने 2 NBW अभियुक्त दबोचे

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली। जनपद में गैर-जमानती वारंटियों (NBW) के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना भुता पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में मल्लू उर्फ मनोज (ग्राम इटौरिया) तथा सत्य प्रकाश उर्फ भोलेलाल (ग्राम खड़सरा) शामिल हैं। दोनों अलग-अलग मामलों में गैर-जमानती वारंट के तहत वांछित थे। इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक सुरेश चंद, उपनिरीक्षक ऋषि मित्र, हेड कांस्टेबल राजपाल सिंह और कांस्टेबल तुषार की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

कांवड़ रूट को लेकर अफसरों ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली। सावन के दौरान कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न कराने के लिए इस बार रूट प्लान में फेरबदल किया जा रहा है। इसको लेकर शनिवार को एसपी साउथ और एसपी ट्रैफिक ने रूट का निरीक्षण कर तिलहर सीओ के साथ बैठक की।

कछला से जल भरने के लिए मुख्य आवागमन बरेली-बदायूं रोड से होता है, जो इन दिनों निर्माणाधीन है। इसके लिए भारी वाहनों को बिनावर से ही गंगा एक्सप्रेस वे पर डायवर्ट करने की प्लानिंग है। फतेहगंज पूर्वी और फरीदपुर में कांवड़ियों एवं वाहनों की आवागमन की व्यवस्था देखने के लिए शनिवार को एसपी साउथ अंशिका वर्मा और एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने इन दोनों रूटों का निरीक्षण किया। इसके लिए शाहजहांपुर में तिलहर के सीओ के साथ मीटिंग भी की गई है। इस दौरान बदायूं से आने वाले कांवड़ियों को दातागंज से नवादा मोड़ से तिलहर, फतेहगंज पूर्वी की ओर जाने के लिए संभावनाएं देखी गईं।

अफसरों का कहना है कि इस बार दातागंज से देवचरा और पुठी की ओर भारी वाहन नहीं आएंगे, जिसके लिए यह प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही अफसरों ने फरीदपुर और फतेहगंज पूर्वी में भी ओवरब्रिज की निर्माण स्थिति का जायजा लिया।

करोड़ से संवरेगी लिलौर झील, आंवला को मिलेगी पर्यटन की नई पहचान

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो/ बरेली। आंवला विधानसभा क्षेत्र के लिलौर झील के ईको पर्यटन विकास कार्य का भूमिपूजन किया गया।

करीब 3 करोड़ की लागत से बनने वाली इस परियोजना के तहत मल्टीपर्पज़ हॉल, फूड कोर्ट, आधुनिक शौचालय और सुंदरीकरण सहित कई विकास कार्य किए जाएंगे।

परियोजना से क्षेत्र में पर्यटन को

बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे

और लिलौर झील एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में उफनती रेड नदी पर प्रकृति का अद्भुत चमत्कार

रकसगंडा जलप्रपात की खूबसूरती देखने उमड़ रही भीड़, लेकिन हर कदम पर मंडरा रहा हादसे का खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर / सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध रकसगंडा जलप्रपात इन दिनों मानसून की बारिश के बाद अपने सबसे मनमोहक और रौद्र स्वरूप में दिखाई दे रहा है। रेड नदी का उफनता पानी विशाल चट्टानों से सैकड़ों धाराओं में नीचे गिरकर ऐसा प्राकृतिक दृश्य बना रहा है, जिसे देखने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। दूर-दूर तक उठती पानी की फुहारें, चट्टानों से टकराकर गूंजती जलधारा की गर्जना और चारों ओर फैली हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर रही है। बरसात शुरू होते ही रकसगंडा जलप्रपात पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन गया है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। छुट्टियों और सप्ताहांत में पर्यटकों की संख्या और अधिक बढ़ जाती है। लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंच रहे हैं तथा सोशल मीडिया के लिए फोटो और वीडियो भी बना रहे हैं।

लेकिन इस खूबसूरत नजारे के पीछे एक गंभीर खतरा भी छिपा हुआ है। लगातार बारिश के कारण जलप्रपात के आसपास की चट्टानें बेहद फिसलन भरी हो चुकी हैं। रेड नदी का तेज बहाव और बढ़ा हुआ जलस्तर किसी भी छोटी सी लापरवाही को बड़े हादसे में बदल सकता है। इसके बावजूद कई पर्यटक सुरक्षा की अनदेखी करते हुए जलप्रपात के किनारों तक पहुंच रहे हैं। कुछ लोग सेल्फी लेने और वीडियो बनाने के लिए खतरनाक चट्टानों पर चढ़ते नजर आते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यहां पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से चिंता बनी रहती है। कई स्थानों पर सुरक्षा बैरिकेड, चेतावनी बोर्ड और निगरानी व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही है। यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरपूर रकसगंडा जलप्रपात प्राकृतिक धरोहर होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है। बारिश के मौसम में यहां छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और स्थानीय युवाओं को भी रोजगार मिलता है। ऐसे में पर्यटन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन की सक्रिय भूमिका आवश्यक मानी जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जलप्रपात क्षेत्र में पुलिस और होमगार्ड की तैनाती की जाए, खतरनाक स्थानों पर बैरिकेडिंग कर पर्यटकों की आवाजाही नियंत्रित की जाए तथा लगातार माइक से सुरक्षा संबंधी घोषणाएं कर लोगों को सतर्क किया जाए।

प्रकृति का यह अनुपम उपहार हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में रकसगंडा जलप्रपात की खूबसूरती का आनंद लें, पर सुरक्षा नियमों का पालन करना भी उतना ही जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

दरोगा विनीत कुमार भेंड़ पुलिस चौकी के नये प्रभारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। जिले के पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कानून व्यवस्था को और अधिक आच्छादित बनाने के उद्देश्य से कोंच कोतवाली की भेंड़ पुलिस चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुशील कुमार को हटा दिया है और भेंड़ पुलिस चौकी में नये प्रभारी के रूप में दरोगा विनीत कुमार को नियुक्त किया है भेंड़ चौकी के अब तक प्रभारी रहे दरोगा सुशील कुमार काफी समय से कार्य कर रहे थे और कानून व्यवस्था को बढ़िया बनाने हेतु अच्छा कार्य कर रहे थे और उनका तबादला भेंड़ चौकी से थाना डकोर किया गया है वहीं डकोर थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर विनीत कुमार को कोंच कोतवाली की भेंड़ चौकी का प्रभारी बनाया गया है । बताया जाता है कि दरोगा विनीत कुमार भी काफी अच्छे से स्वभाव के अधिकारी है और उनकी कार्यप्रणाली काफी ठीक है ।

एसडीएम ने मंडी स्थित पीसीएफ खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। कोंच के नवागत एसडीएम अभिनव कुमार यादव ने गल्ला मंडी स्थित पीसीएफ खाद वितरण केंद्र का

अचानक निरीक्षण किया। एसडीएम को देख केंद्र पर हड़कंप मच गया।एसडीएम अभिनव यादव को इस खाद वितरण केंद्र पर कई कमी देखने मिली है जिस पर उन्होंने नाराज़गी जताई है एसडीएम अभिनव कुमार यादव ने बताया है कि यह निरीक्षण जिलाधिकारी के आदेश पर किया गया है उन्होंने बताया है कि इस पीडीएफ खाद वितरण केंद्र में जो खामियां मिली है उनको जल्द ठीक करने के निर्देश दिये गए है ।

पीड़ित ने सी ओ से एसडीओ विद्युत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / जालौन जिले के कोंच - ग्राम पनियारा निवासी पीड़ित रवि कुमार पुत्र सियाराम ने क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद को एक शिकायती पत्र देकर बताया कि घटना 23 जुलाई लगभग 3:00 बजे दोपहर की है वह विद्युत विभाग के ऑफिस गया और अपना बिल अधिक आने के कारण शिकायत की पीड़ित ने बताया कि वह सोलर प्लांट भी लगवाए हैं

जिससे वह चक्की चलाता है और ऑफिस में एसडीओ विद्युत धर्मेंद्र कुमार टेक्नीशियन देवेंद्र सिंह प्रदीप सिंह संविदा कर्मी बैठे हुए थे बिल ठीक करवाने को लेकर उसने एसडीओ से कहा कि मेरा बिल अधिक आ रहा है तो एसडीओ बोले तुम चक्की चलाते हो और सुविधा शुल्क नहीं देते]

तुम्हारा बिल तभी ठीक होगा जब तुम दस हजार रुपया सुविधा शुल्क दोगे पीड़ित ने एसडीओ का पूरा मामला मोबाइल में रिकॉर्ड करना चाहा तो एसडीओ भड़क गए और उन्होंने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्रता की और गेट बंद कर मारपीट कर दी जिससे पीड़ित का मोबाइल टूट गया और उक्त लोगों ने पीड़ित को काफी मारा पीटा तभी मौके पर रवि शंकर आ गए

उन्होंने दरवाजा खुलवाकर बचाया सभी लोग एक राय होकर जान से मारने की धमकी पीड़ित को देने लगे और मारपीट में 3500 रुपया ऑफिस में गुम हो गया पीड़ित ने तत्काल 112 पुलिस को सूचना दी मौके पर पुलिस पहुंची पीड़ित ने पूरी जानकारी पुलिस को दी वहीं पीड़ित ने एसडीओ धर्मेंद्र कुमार देवेंद्र सिंह प्रदीप सिंह के खिलाफ घटना की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है एसडीओ विद्युत के कारनामे सारे नगर में घटित हो रहे हैं उनकी कार्य शैली से जनता परेशान है और पीड़ित ने सी ओ से न्याय की गुहार लगाई है

राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त पद्मश्री मोहन नागर 26 जुलाई को शिवपुरी आएंगे, साइंस कॉलेज में परिषद की गतिविधियों की करेंगे समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त पद्मश्री श्री मोहन नागर 26 जुलाई को अल्प प्रवास पर शिवपुरी पहुंचेंगे। अपने प्रवास के दौरान वे प्रातः 11:30 बजे साइंस कॉलेज शिवपुरी के सभागार में आयोजित बैठक में परिषद से जुड़े नवांकुर संस्थाओं, परामर्शदाताओं, ग्राम एवं नगर विकास प्रस्फुटन समितियों तथा सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों से संवाद करेंगे।

बैठक में श्री नागर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। साथ ही समाज सहभागिता, जनभागीदारी और विकास कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारी एवं अधिकारी, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, ग्राम एवं नगर विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य तथा सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। बैठक का उद्देश्य परिषद की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना और सामाजिक सहभागिता को और अधिक मजबूत बनाना है।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान: शिवपुरी में 1,413 पशुपालकों से मिले अधिकारी, दूध उत्पादन बढ़ाने की दी जानकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश में दूध उत्पादन दोगुना करने के लक्ष्य को लेकर पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत शिवपुरी जिले में घर-घर पहुंचकर पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों की जानकारी दी जा रही है।उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. एल.आर. शर्मा ने बताया कि शिवपुरी विकासखंड में 27 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों एवं मैत्री कार्यकर्ताओं ने 1,413 पशुपालकों के घर जाकर उनसे संवाद किया। इस दौरान पशुपालकों को सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक की जानकारी दी गई, जिससे बेहतर नस्ल के पशुओं का विकास और दूध उत्पादन में वृद्धि संभव है।

अभियान के दौरान अधिकारियों ने पशुपालकों को गोरस ऐप के उपयोग के लिए भी प्रेरित किया तथा उन्नत पशुपालन से संबंधित जानकारी देने वाली वीडियो रील्स दिखाई। साथ ही पशुपालन एवं डेयरी विभाग के व्हाट्सएप चैनल से जोड़कर उन्हें नई तकनीकों और विभागीय योजनाओं की नियमित जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। अभियान के तीसरे चरण में जिले के 15,190 ऐसे पशुपालकों तक पहुंच बनाई गई, जिनके पास तीन से चार पशु हैं। उन्हें पशु नस्ल सुधार, पशुओं के स्वास्थ्य, संतुलित आहार और वैज्ञानिक पशुपालन के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया गया।अभियान के तहत किए गए कार्यों का सत्यापन राज्य स्तरीय जिला नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति जैन, संयुक्त संचालक ग्वालियर संभाग डॉ. अनिल अग्रवाल तथा उपसंचालक डॉ. एल.आर. शर्मा द्वारा किया गया। अधिकारियों ने अभियान को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों की आय में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

एक पेड माँ के नाम के अंतर्गत हुआ वृक्षारोपण ,पेड़ों की देख भाल हमें बच्चों की तरह करना चाहिए प्रदीप गुप्ता

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)।स्थानीय सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडी, सरस्वती शिशु मंदिर, शिशु वाटिका मंडी कोंच मे आज वृहद वृक्षा रोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिस मे मुख्य अतिथि के रूप मे नगर पालिका कोंच के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता विद्यालय के अध्यक्ष आर. वी. मिश्र, उपाध्यक्ष डॉ दिलीप अग्रवाल, प्रबंधक कुं नरसिंह गहरवार एडवोकेट सह प्रवंधिका मधु गुप्ता, कोषाध्यक्ष शिव प्रसाद निरंजन बब्बू मासाब स्कूल की प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा उपस्थित रही इस कार्यक्रम मे विद्यालय परिसर मे छाँव एवं फलदार दो दर्जन पेड अतिथिओ द्वारा लगाये गये

मुख्य अतिथि पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि हर लगे पेड को सहेजना हमारी जिम्मेदारी है हमें बच्चो की तरह इनकी देख भाल करनी चाहिए विद्यालय की प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा ने बताया कि शासन की मंशा के अनुसार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्य एक पेड माँ के नाम पर ये वृहद वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय स्तर पर हर कक्षा से दस दस छात्रा ओ की टोली बना कर प्रत्येक पेड की जिम्मेदारी छात्रा ओ की टोली को दी गयी।कार्यक्रम की सम्पूर्ण जिम्मे दारी आचार्य श्याम शरण ने पूरी की।इस अबसर पर प्रभारी नरेंद्र सिंह पंकज बाजपेई नीतू गर्ग, सरोज खरे, सरला मिश्रा,शैलेन्द्र सिंह, विवेक तिवारी, प्रभा गुप्ता शिवानी सिंह, ज्योति गुप्ता, रंजना तिवारी प्रतीक्षा रेजा, अनिकेत, जीतेन्द्र सिंह,मनीष अग्रवाल, गौत्तम पटेल,वंदना अवस्थी रवि कुमार,विनीत खरे, मृदुल दुबे,सतीश नील पाठक, धीरेन्द्र सिंह, मनोज दुबे, अशोक शर्मा राम कुमार, अरविन्द अंजना,आकांक्षा दीक्षित, सरिता, साधना, योगेश, अंकित पटेल,चंदा कुशवाहा, दीक्षा, सोनम, आदित्य कुमार,शुभम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

निर्भया मोबाइल हुई रवाना, महिलाओं की सुरक्षा को मिला और सशक्त संबल

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा/पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के निर्देशन में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, विदिशा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं रक्षित निरीक्षक श्री भूर सिंह चौहान ने निर्भया मोबाइल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निर्भया मोबाइल का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता, सुरक्षा का भरोसा तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुलिस रिस्पॉन्स उपलब्ध कराना है। यह वाहन संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं जनविश्वास को और मजबूत करेगा। इस अवसर पर थाना प्रभारी यातायात आशीष राय, रक्षित निरीक्षक श्री भूर सिंह चौहान, सूबेदार मेघा शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जालौन अब बीहड़ नहीं, विकास और विरासत की पहचान बना, 1273.96 करोड़ की 374 परियोजनाओं की सौगात से बदलेगी जिले की तस्वीर - मुख्यमंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित विशाल जनसभा में पहुंचकर सर्वप्रथम विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकासपरक योजनाओं की प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का अवलोकन किया।

मा0 मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, कृषि एवं पशुपालन विभाग सहित विभिन्न योजनाओं कार्ड एवं अन्य सहायता सामग्री वितरित की। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आरएफ एवं सीआईएफ धनराशि हस्तांतरित कर महिला सशक्तिकरण और रुपये की लागत वाली 374 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें 216 पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई, विद्युत, नगर विकास, पुलिस एवं राजस्व उनमें उरई तहसील का नवीन भवन, पुलिस लाइन में टाइप-ए एवं टाइप-बी ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर, राठ-कालपी-मदारीपुर मार्ग का सुदृढ़ीकरण, उरई-इटौरा कालपी अग्निशमन केंद्र के भवन, उरई तहसील परिसर में एनआईसी भवन, पर जनपद के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक चतुर्वेदी, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, विधान परिषद सदस्य बाबूलाल दीक्षित, गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, पिछड़ा वर्ग आयोग के शहरी आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, आवास की चाबी, ऋण स्वीकृति, सोलर रूफटॉप स्वीकृति, कृषि यंत्र, गोल्डन आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के खातों में 13 करोड़ 14 लाख 30 हजार रुपये की सीसीएल, स्वरोजगार को नई मजबूती प्रदान की। मा0 मुख्यमंत्री जी ने बटन दबा कर जनपद जालौन को 1273.96 करोड़ परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 158 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं में सड़क, विभाग से जुड़ी अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में जिन प्रमुख विकास कार्यों को गति मिली आवासीय भवन, मेडिकल कॉलेज में 50 शैय्या क्रिटिकल केयर यूनिट, नगर पालिका कालपी की पेयजल योजना, मार्ग का चौड़ीकरण, जालौन देवी मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले मार्गों का चौड़ीकरण, हाईटेक नर्सरी की स्थापना तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जैसी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। इस अवसर घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद तिवारी, भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर शाहू, भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष उर्विजा सदस्य बाबा बालक दास, गो सेवा आयोग के सदस्य राजेश सिंह सेंगर, जालौन डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के सभापति बृजभूषण सिंह (मुन्नू), अपना दल के अध्यक्ष अनिल कुदारी, राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष रविंद्र श्रीवास्तव, नगरपालिका परिषद उरई की अध्यक्ष गिरजा चौधरी, नगरपालिका परिषद कोच के अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, नगरपालिका परिषद जालौन के अध्यक्ष नेहा पुनीत मित्तल, कालपी के अध्यक्ष अरविंद यादव, केंद्र सरकार पूर्व मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, पूर्व विधायक केशव सिंह सेंगर, पूर्व विधायक संत राम सिंह सेंगर, पूर्व विधायक अरुण मल्होत्रा, पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन, क्षेत्र मंत्री संजीव उपाध्याय, पूर्व जिला अध्यक्ष नागेंद्र गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष उदयभान पालीवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष रामेंद्र सिंह सेंगर, पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश तिवारी, मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

These 5 bad habits are slowly ruining your health; change them today or they could be costly.

If you find yourself falling ill easily and quickly, some of your own habits could be the culprit. We'll share five such habits that can make you sick. In today's fast-paced life, we often overlook small habits that can gradually impact our health. Many people experience frequent colds, fatigue, weakness, or other health problems, but they fail to understand the underlying cause. Initially, these effects may seem minor, but if continued for a long time, these habits can lead to serious illnesses. Staying healthy requires more than just medication, but also improving daily habits. Let's explore five common habits that can slowly make you sick and how to change them. Lack of sleep - Lack of sleep has become a common problem these days. Many people use their mobile phones late into the night or don't get enough sleep due to work pressure. Chronically poor sleep can weaken the body's immunity, increasing the risk of infection. It can also lead to problems like fatigue, irritability, difficulty concentrating, and weight gain. What to do: Get adequate sleep, 7-8 hours daily. Reduce mobile phone and screen time before bed. Maintain a set bedtime and wake-up time. An unbalanced diet—eating fast food, fried foods, excess sugar, and processed foods—can harm the body. Such foods are low in nutrients and high in calories, which can increase the risk of obesity, diabetes, and heart problems. What to do: Eat fruits, vegetables, and protein-rich foods. Eat fresh, home-cooked meals. Drink plenty of water. Lack of exercise: Lack of physical activity can weaken the body. Sitting for long periods of time can increase the risk of weight gain, muscle weakness, and many chronic diseases. What to do: Walk for at least 30 minutes daily. Incorporate yoga or light exercise into your daily routine. Taking too much stress Continuous stress affects both the body and the mind. Stress can cause sleeplessness, digestive problems and can also affect the immune system. What to do - Do meditation and yoga. Take time out for activities of your choice. If needed, talk to family or an expert. Ignoring cleanliness, not washing hands, not taking care of personal hygiene and keeping dirt around can cause the spread of infection. Bacteria and viruses can easily enter the body. What to do - Always wash hands before eating. Consume clean water and hygienic food. Keep the house and surroundings clean.

Major causes of digital stress: Are you making these mistakes?

Most people don't understand what it is. In this article, we'll provide information about it. In today's digital age, mobile phones, laptops, and the internet have become an integral part of our lives. Most tasks, from work to study, entertainment, and communication, are now completed through screens. Although technology has made life easier, its excessive use can also negatively impact mental health. This problem is called digital stress. Digital stress refers to the mental pressure that can arise from constant notifications, social media, online work, excessive screen time, and the compulsion to stay connected to the digital world. Therefore, it's important to understand the causes of digital stress, how to recognize its symptoms, and what measures can be taken to avoid it. First, understand its causes: 1. Prolonged screen time: Using mobile phones, laptops, and televisions has become a part of our daily routine. But staring at a screen for hours on end forces the brain to constantly process new information. This can increase mental fatigue and stress. Prolonged screen time can also cause eye strain, headaches, sleep problems, and difficulty concentrating. Excessive screen use, especially at night, can disrupt sleep patterns. 2. Constant notifications - The constant influx of messages, emails, social media alerts, and app notifications on your phone activates the brain repeatedly. Many people feel pressure to respond to every notification immediately. This habit can gradually increase stress and anxiety. The habit of repeatedly checking your phone can make it difficult to concentrate and prevent the mind from fully resting. 3. Excessive use of social media - Social media is a great medium for connecting people, but excessive use can increase mental stress. Many people start comparing their lives to others' achievements, lifestyles, and photos on social media. This can lead to feelings of dissatisfaction, anxiety, and lack of self-confidence. Additionally, concerns about likes, comments, and followers can also cause stress. 4. Online work pressure - With the rise of work from home and digital work, the distinction between work and personal life has diminished for many people. Emails, video meetings, and messages make people feel pressured to remain available online even after work is over. This habit of constantly being connected to work can increase mental fatigue and stress. Symptoms of digital stress: The urge to check your mobile phone constantly; Irritability and restlessness; Difficulty concentrating; Sleep disturbances; Mental fatigue; Uneasiness when away from social media. Ways to avoid digital stress: Set a time limit for using your mobile phone and laptop. Spend some time each day without digital devices. Turn off notifications for non-essential apps. Limit screen time at least 30-60 minutes before bed. Yoga, exercise, reading, and spending time with family can help reduce stress.

Does knee pain increase with the change of seasons? Learn about easy and effective remedies for relief.

Whenever the weather changes, knee pain increases significantly. This problem is especially common among the elderly. Today, we will explain what you should do during such times. The effects of weather changes are not limited to colds and allergies; they can also affect joint and knee pain. Many people, especially the elderly and those suffering from arthritis, complain of knee pain, stiffness, and swelling as the weather changes. However, the causes vary from person to person. If proper care is not taken in time, this pain can even affect daily activities. The good news is that knee pain can be significantly reduced by adopting some simple measures. Let's explore why knee pain increases with changing seasons and what precautions should be taken to get relief. Why does knee pain increase with changing seasons? Lower temperatures and increased humidity can cause stiffness in the muscles and ligaments surrounding the joints. At the same time, this change can exacerbate pain and stiffness in people suffering from arthritis. Although scientific research shows mixed results in this regard, many patients complain of worsening symptoms when the weather changes. Ways to relieve knee pain: 1. Keep the body warm - In cold weather, keep your knees covered with warm clothing or kneecaps. This can reduce stiffness in the joints. What to do? Apply a mild warm compress if needed. 2. Do light exercise regularly - Complete rest is not always appropriate when experiencing pain. Light walking, stretching, and exercising as advised by a doctor can maintain joint flexibility. What to do? Walk for 20–30 minutes daily. Do light stretching for the knees. 3. Control your weight - Excess weight puts direct pressure on the knees, which can increase pain. Maintaining weight through a balanced diet and regular activity can be beneficial. 4. Take care of calcium and vitamin D - Calcium and vitamin D are essential for bone strength. For this, take balanced benefits of milk, curd, cheese, green vegetables and sunlight. Consult a doctor if the pain persists - If the pain persists for several days, swelling increases or there is difficulty in walking, then consult an orthopedic specialist without delay. Avoid self-medication. Keep in mind that increasing knee pain with changing weather can be a common experience for many people, especially the elderly and arthritis patients. However, this problem can be controlled to a great extent by following a proper diet, regular exercise, keeping the body warm and taking medical advice on time.

A web series exposes the true issues of the education department; did it pass the test or fail?

The web series "Adarsh ??Bal Vidyalaya" has been released on OTT platforms. It highlights the shortcomings of the education department and the impact of the school and family environment on children. Find out how this web series is... The web series "Adarsh ??Bal Vidyalaya" government schools and their school, wrapped in superb acting style. The series is filled with characters, will expose the The story will make you laugh, move The story revolves around a plan, the principal of the school with opportunity to attend Cambridge Adarsh ??Bal Vidyalaya's Menon), also dreams of going school's teachers, sets out to teach along the way. What are those to England? You'll have to watch the a stellar cast of stars, including KK Kasturia, Prasanna Bisht, Deven on. KK perfectly portrays his role performance as a party worker is in the series, does justice to his role. teacher, reminds you of your school well. But the children had just as

beautifully depicts the problems of impact on children. This story of a small and comedy, will make you laugh in a desi seasoned actors who, through their respective shortcomings of the education department. you, and, at times, raise questions as a parent. government school in Delhi. According to a the best board results will receive an University. After hearing about this plan, headmaster, Gyaneshwar Tripathi (KK abroad. To achieve this, he, along with the the children. However, many challenges arise challenges? Will the headmaster be able to go series to find out. Cast: The web series features Menon, Archana Puran Singh, Naveen Bhojani, and Abhimanyu Singh. The list goes as the headmaster. Archana Puran Singh's also excellent. Deven Bhojani, playing 'Goldie,' Furthermore, Abhimanyu Singh, as the strict days. All the actors have played their roles very much power as the adult actors. They looked absolutely stunning in every scene. These child actors don't seem to be acting at all. Direction - This web series is directed by Himank Gaur. It consists of seven episodes. The first episode suggests it's going to be a lot of fun. Everything from the story to the characters is good. The first three episodes make you laugh a lot. However, after that, it sometimes feels like it's being dragged out. Some of the intervening stories were unnecessary. At times, it becomes overdramatic. The climax doesn't deliver what you expected. But the series is still excellent. Should you watch it or not? The web series "Adarsh ??Bal Vidyalaya" has a lot to offer. The shortcomings of the education department are presented to you with a well-crafted comedy, making even serious topics less difficult to understand. This is the series' biggest strength. After the third episode, it becomes a bit boring, making you feel like the series is faltering. But things pick up in the final few episodes. The series' strongest point is its acting, which doesn't feel lacking at all. It's well worth watching at home with your family.

"Ramayana" trailer postponed due to CJP protests? Learn the real reason; it has a connection to "Spider-Man"

The trailer for the Ranbir Kapoor-starrer "Ramayana" was scheduled to be released today, July 24th. Audiences were excited. However, it has now been postponed. The question arises: why was the trailer postponed? "Ramayana," starring Ranbir Kapoor and Sai Pallavi, is one of this year's most anticipated films. Recently, a trailer launch event was held in India. Yesterday, the trailer was launched at San Diego Comic-Con in the United States. It was then scheduled to be officially released online today, July 24th. Audiences were eagerly awaiting it. However, that did not happen. Producer Namit Malhotra shared this information through a post. Producer Namit Malhotra shared the post on his Instagram account, announcing his collaboration with Sony Pictures Entertainment. The producer wrote, "Today is a very special moment for our 'Ramayana'. My dream of taking 'Ramayana' worldwide is now coming true through our partnership with Sony Pictures Entertainment. Therefore, we will now launch our trailer worldwide later this year. It will be a proud moment in the over 100-year history of Indian cinema when 'Ramayana' will be shown to the world like a major global Hollywood film." He further wrote, "This will open doors for people around the world to discover the richness of our culture and our stories. I thank all the fans and believers of 'Ramayana' for helping make this possible. The youth of our country are our future. Let us all do our best to safeguard our future together." Jai Hind. Was the trailer postponed due to the CJP protests? Following the sudden

postponement of the "Ramayana" trailer, speculation is rife that this may be due to the ongoing protests by the Cockroach Janata Party (CJP) in India over the NEET exam leak. These protests are ongoing in the national capital, Delhi, and now people have begun raising their voices in Mumbai and other cities as well. There's speculation that the makers postponed the trailer's release date due to the student protests. However, this is unlikely. There appears to be another reason for the trailer's postponement. Will the trailer be released alongside "Spider-Man: Brand New Day"? Since Namit Malhotra mentioned a collaboration with Sony Pictures in his post, it's being speculated that the film's trailer may now be released worldwide alongside "Spider-Man: Brand New Day." Sony Pictures distributes this Hollywood film, starring Tom Holland and Zendaya. As such, it is expected that the trailer of "Ramayana" will be attached to the film's theatrical release on July 31st. However, this has not been confirmed by the makers or any official source. It should also be noted that Namit Malhotra has not yet revealed the next trailer release date. Fans disappointed by the trailer's postponement, saying, "Emotions are being played with." The sudden postponement of the "Ramayana" trailer has disappointed audiences and Ranbir Kapoor fans. The trailer was scheduled to release in India today, Friday, at 8 am. However, following the postponement, netizens are reacting to Namit Malhotra's post, writing, "You are playing with emotions. Release the trailer today." One user wrote, "I didn't sleep all night because of the trailer." Another user added, "Have some professionalism." The Nitesh Tiwari-directed film will be released in two parts. The first part will release this year on Diwali.

Snoop Dogg's biopic release date announced, film to release on this date in 2027; this actor will play the lead role

The biopic on rap icon and actor Snoop Dogg is now officially coming. Learn all about the film. The release date for the biopic on rapper Snoop Dogg has also been confirmed. Find out when the film will release and which actor will play the lead role. When will the film be released? - According to reports, Universal Pictures will release the film on August 6, 2027. The film will depict Snoop Dogg's journey from an artist to a major music mogul and gangsta rap icon. The film will be directed by Craig Brewer, known for films like "Hustle & Flow." He has rewritten the script based on Joe Robert Cole's original story. This actor will play the lead role: Actor Jonathan Davis will play Snoop Dogg in the film. This film will be the first project under a deal between Death Row Pictures and NBCUniversal Entertainment. It is being produced by Brian Grazer of Imagine Entertainment, Snoop Dogg himself, and Sara Ramaker, president of Death Row Pictures. The film will include Snoop Dogg's iconic songs, such as "Drop It Like It's Hot," "Gin and Juice," "What's My Name," and "Nothin' But a G Thing." However, not much information has been revealed about the story yet. It's also unclear whether the film will span his entire career or focus on a specific period. About Snoop Dogg: Snoop Dogg is not only a popular rapper but also a singer, songwriter, actor, producer, DJ, and businessman. He began his career in 1992, appearing on Dr. Dre's song "Deep Cover" and the album "The Chronic." The biopic was first announced for 2022. Snoop Dogg revealed at CinemaCon that filming could begin this summer.